हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

05 मार्च, 2010

खण्ड 1, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 05 मार्च, 2010

पृश्ठ संख्या

राज्यपाल का अभिभाशण	(1)1
भाोक प्रस्ताव	(1)19
उपाध्यक्ष का चुनाव	(1)28
अध्यक्ष द्वारा घोशणाएं– (i) चेयरपर्सन्ज के नामों की सूची (ii) सदस्य द्वारा त्यागपत्र (ii) अनुपस्थिति के संबंध में सूचना	(1)29
कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)29
सदन की मेज पर रखे गये/पुनः रख गये कागज पत्र	(1)32
स्थगन प्रस्ताव का ध्यानाकर्शण प्रस्ताव में परिवर्तन	(1)33

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 05 मार्च, 2010

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 2.45 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

Mr Speaker: Hon'ble Members, in pursuance of Rule 18 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I have to report that the Governor was pleased to address the Haryana Legislative Assembly today i.e. the 5th March, 2010 at 2.00 P.M. uner Article 176(1) of the Constitution of India.

A copy of the Address is laid on the Table of the House.

अध्यक्ष महोदय तथा माननीय सभासदों,

हरियाणा विधानसभा के वर्श 2010 के प्रथम सत्र में उपस्थित होकर मुझे बड़ी खु ाी हो रही है। मैं आप सबको हार्दिक भुभकामनाएं देता हूं।

भारत पिछले कुछ वर्शों से समावे ाी विकास के बड़े बदलाव का साक्षी रहा है। संयुक्त प्रगति ील गठबंधन की अध्यक्षा

श्रीमती सोनिया गांधी ने आम आदमी को विकास में भागीदार बनाने का नया रास्ता दिखाया है।

आर्थिक मंदी ने वर्श 2007 में वि व अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर दिया था। भारत इससे धीरे धीरे उबर रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और डॉ0 मनमोहन सिहं के कु ाल नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सम–सामयिक उपायों के फलस्वरूप चालू वित्त वर्श में हम सात प्रति ात से अधिक विकास दर की उम्मीद कर रहे हैं। आर्थिक प्रोत्साहन पैज, जिसमें आबकारी भाुल्कों में कमी और बढ़ा हुआ खर्च भाामिल है, के अच्छे परिणाम आ रहे हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि संकट का सबसे बुरा समय समाप्त हो गया है।

हरियाणा में भी चालू वित्त वर्श में इस संकट के प्रतिकूल प्रभाव में आंि ाक बदलाव आया जोकि वर्श 2009–10 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद 8.1 प्रति ात की दर से बढ़ने की सम्भावना है, जोकि वर्श 2008–09 की वृद्धि दरों से 0.2 प्रति ात अंक अधिक है। अप्रैल, 2009 से जनवरी, 2010 तक पिछले साल की इसी अवधि में राजस्व प्राप्तियों में लगभग 22 प्रति ात की वृद्धि हुई है। राज्य प्रतिलाभ के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, यद्यपि पिछले वर्शों में हुई अभूतपूर्व वृद्धि जैसी स्थिति को हासिल करने में अभी कुछ समय लगेगा। मेरी सरकार पूर्व स्थिति में आने के लिए नए उत्साह और साहस से उपाय जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध और दृढ़ संकल्प है।

मेरी सरकार ने दूरद र्ी और जन–हितैशी नीतियों के माध्यम से पिछले कार्यकाल के दौरान तीर्व और समग्र विकास के अपने वायदे को पूरा करने के उद्दे य से उपलब्धियां हासिल करने के लिए अथक प्रयास किये हैं। पिछले वर्शों के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों पर सरकार को गर्व है। यह वि ोश रूप से उल्लेखनीय है कि राज्य का विकास लोकतांत्रिक संस्थानों के तंत्र के माध्यम से सुनियोजित ढंग से हुआ है। सरकार का मार्गद र्क सिद्धांत विकास के भागीदारों, मुख्य रूप से हरियाणा के लोगों में वि वास पैदा करने का रहा है। समावे ी विकास हमारी घोशित नीति है। इसकी प्राप्ति के लिए मेरी सरकार ऐसी नीतियों पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है, जो लोगों में सृजनात्मकता और उद्यम ीलता के द्वार खोलें, हर नागरिक की जरूरतों को पूरा करें, उनके बेहतर जीवनयापन, ि ाक्षा, अवसरों की समानता के अधिकार की रक्षा करें और भाांति तथा सुरक्षा सुनि ित करें।

कृशि एवं सम्बद्ध गतिविधियां

मैंने नवगठित हरियाणा विधानसभा के अक्तूबर, 2009 के प्रथम सत्र में अपने अभिभाशण में भी उल्लेख किया था कि कृशि और कृशक समुदाय मेरी सरकार के प्रमुख केन्द्र बिन्दु हैं।

प्रतिकूल मौसम की स्थिति और सामान्य से कम वर्शा होने के बावजूद राज्य में खरीफ 2009 में 46.53 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का भरपूर उत्पादन हुआ, जबकि खरीफ 2008 में 44.88

लाख मीट्रिक टन उत्पादन हुआ था। राज्य सरकार ने निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की और नहरी पानी और दूसरे कृशि आदान समय पर उपलब्ध करवाए। मुझे यह कहते हुए बड़ी खुशी हो रही है कि खरीफ 2009 में भरपूर फसल हुई। 13.90 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य की तुलना में राज्य केन्द्रीय भण्डार में 18.60 लाख मीट्रिक टन चावल देगा, जोकि 34 प्रतिशत अधिक है। मेरी सरकार ने रबी 2009 में केन्द्रीय भण्डार के लिए 69 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीद की, जोकि राज्य के लिए अब तक का एक रिकॉर्ड है।

राज्य में सितम्बर, 2009 के दौरान रूक–रूककर अच्छी बारिश हुई, जो रबी फसलों की बिजाई के लिए लाभदायक सिद्ध हुई। राज्य सरकार ने गेहूं की गिरती उत्पादकता के रूझान को बदलने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसके फलस्वरूप वर्श 2008–09 में गेहूं की प्रति हैक्टेयर उत्पादकता 46.14 क्विण्टल के स्तर पक पहुंच गई, जो अब तक का रिकॉर्ड है। यह उत्पादकता देश भर में सर्वाधिक है और इसकी राश्ट्रीय स्तर पर बहुत प्रशंसा हुई है।

हरियाणा के किसानों को राश्ट्रीय कृशि विकास योजना और राश्ट्रीय सुरक्षा मिशन के तहत उपलब्ध सहायता से लाभ हुआ है। केन्द्रीय प्रायोजित राश्ट्रीय कृशि विकास योजना का उद्देश्य कृशि तथा सम्बद्ध क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करके इन क्षेत्रों की वार्शिक वृद्धि दर चार प्रतिशत करना है।

गुणवत्तापरक आदानों का अधिक प्रयोग उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी प्राप्त करने की कुंजी है। राज्य सरकार खाद्य उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों को बेचे जाने वाले प्रमाणित बीजों पर सबसिडी दे रही है।

राज्य में सरकारी क्षेत्र में खाद्यान्न भण्डारण की कुछ क्षमता 65.87 लाख मीट्रिक टन थी। वर्श 2009–10 में राज्य की विभिन्न एजेन्सियों द्वारा 6.80 लाख मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों और चबूतरों का निर्माण किया जा रहा है। वर्श 2010–11 में 1.57 लाख मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों का निर्माण करने का प्रस्ताव है। हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन प्रसंध लिमिटेड की अपनी खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों में प्रसंस्करण, संचालन और भण्डारण सुविधाओं का आधुनिकीकरण करने की योजना है ताकि राश्ट्रीय एवं अन्तर्राश्ट्रीय बाजारों के नवीनतम मानदण्डों को पूरा किया जा सके।

माननीय सभासदो, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मांग की तुलना में चीनी की वै ि वक आपूर्ति कम होने की वजह से अन्तर्राश्ट्रीय बाजार में इसके भाव बढ़े हैं। विगत वर्शों में वि व के प्रमुख चीली उत्पादक और निर्यातक दे ाों, जिनमें भारत भी भाामिल है, में गन्ने की का त के अधीन क्षेत्र कम हुआ है, क्योंकि किसान अधिक लाभकारी और श्रम की कम जरूरत पड़ने वाली फसलों की का त करने लगे हैं। गन्ना उत्पादकों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रदे ा सरकार ने चालू पिराई मौसम

के लिए अगेती किस्मों के लिए 185 रुपये प्रति क्विण्टल, मध्यम किस्मों के लिए 180 रुपये प्रति क्विण्टल और पछेती किस्मों के लिए 175 रुपये प्रति क्विण्टल भाव दिया है। दे ा का यह सर्वाधिक राज्य समर्थन मूल्य था। राज्य की चीनी मिलें गन्ना उत्पादकों को 25 रुपये प्रति क्विण्टल बोनस भी दे रही है। मेरी सरकार ने पिराई मौसम के लाभ को सहकारी चीनी मिलों द्वारा गन्ना उत्पादकों के साथ बांटने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। सरकार ने गन्ने के अधीन क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए कई अन्य कदम उठाए हैं। राज्य में गन्ने की उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार का गन्ना प्रौद्योगिकी मि ान स्थापित करने का प्रस्ताव है।

किसानों को संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकियां अपनाने, फसलों का विविधीकरण करने और फलों, सब्जियों, फूलों, औशधीय और सुगन्धित पौधों की का त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राश्ट्रीय बागवानी मि ान के प्रभावी क्रियान्वयन से किसानों की आय बढ़ी है। भारत सरकार ने कटाई उपरान्त प्रबन्धन और विपणन परियोजनाएं भुरू करने के लिए चालू वर्श में 170 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है। सरकार ने बागवानी को नए सिरे से बढ़ावा देने के लिए बागवान किसानों से उसी दर पर बिजली भुल्क लेने का निर्णय लिया है, जिस दर से भुल्क कृशि क्षेत्र से लिया जाता है।

हरियाणा का प्रति इकाई मत्स्य उत्पादन में दे ा भर में दूसरा स्थान है। मत्स्यपालक किसानों की आय बढ़ाने और ि ाक्षित युवकों को मत्स्य क्षेत्र में स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करने के लिए परम्परागत मत्स्य पालन का विविधीकरण करके उसे उच्च मूल्य की मत्स्य प्रजातियों और सजावटी मत्स्यपालन की ओर ले जाने का प्रस्ताव है।

राज्य को ख्यातिप्राप्त हरियाणा नस्ल की गायों और मुर्राह नस्ल की भैंसों का घर होने का गौरव प्राप्त है। प ाुपालकों को उनके घरद्वार के नजदीक ही दक्ष प ाु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्दे य से प ाु चिकित्सा संस्थानों के तंत्र को सुदृढ़ किया जा रहा है।

मुझे यह बताते हुए खु ाी हो रही है कि मेरी सरकार ने हिसार में एक प ाु चिकित्सा एवं प ाु विज्ञान वि वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया है। इससे न केवल प ाु चिकित्सा ि ाक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। दुग्ध उत्पादन में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। यद्यपि, प्रतिप ाु अधिकतम उत्पादकता तक पहुंचने के लिए अभी भी दुग्ध उत्पादन क्षमता का पूर्ण दोहन किया जाना बाकी है। आगामी पांच वर्शों में कृत्रिम गर्भाधान की दर 50 प्रति ात से बढ़ाकर 80 प्रति ात करके नस्ल सुधार का एक व्यवस्थित कार्यक्रम चलाने की योजना है।

सहकारिता

मेरी सरकार सहकारी संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि लाने का एक माध्यम मानती है। सहकारिता क्षेत्र की सामान्य कार्य प्रणाली में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। दीर्घावधि ऋणों के लिए 'समय पर अदायगी प्रोत्साहन स्कीम' भाुरू की गई है, जिसके अन्तर्गत कृशि और गैर कृशि कर्जदारों को मिलने वाला ब्याज अनुदान तीन प्रति ात से बढ़ाकर पांच प्रति ात कर दिया गया है। समय पर फसली ऋणों की अदायगी पर दो प्रति ात ब्याज अनुदान देने की स्कीम पहले से ही चल रही है। यह ब्याज अनुदान भारत सरकार की स्कीम के अन्तर्गत मिल रहे लाभों के अतिरिक्त है। ऋण की समय पर अदायगी करने पर किसानों के लिए फसली ऋणों की प्रभावी ब्याज दर अब चार प्रति ात होगी।

मेरी सरकार ने हरियाणा राज्य सहकारी समितियां अधिनियम, 1984 में सं ोधन करके एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि चूक की स्थिति में ऋण लेने वाले किसान की जमीन नीलाम न हो। ऋण की वसूली, गिरवी रखी गई जमीन को पट्टे पर देकर की जाएगी और पट्टा रा ि का एक निर्दिश्ट भाग ऋण की वूसली में समायोजित किया जाएगा और भोश रा ि कर्जदार की उपभोक्ता आव यकताओं की पूर्ति के लिए उपलब्ध होगी।

मेरी सरकार ने भूमि के मूल्य का पुनः आकलन करके कर्जदार किसानों द्वारा पहले से ही गिरवी रखी गई भूमि के फालतू भाग को छोडने का एक और प्रगति ील कदम उठाया है। इस स्कीम के तहत 4,463 किसानों की लगभग 6,000 एकड़ गिरवी रखी गई फालतू भूमि छोड़ दी गई है।

सदन में मेरे पिछले अभिभाशण में की गई वचनबद्धता का सम्मान करते हुए ग्रामीण दस्तकारों और छोटे दुकानदारों की अधिकतम ऋण सीमा 25,000 रुपये से बढ़ाकर 35,000 रुपये कर दी गई है।

सिंचाई

मेरी सरकार सतलुज–यमुना लिंक नहर के माध्यम से नदियों के पानी का हरियाणा का न्यायोचित हिस्सा लेने की अपनी वचनबद्धता को दोहराती है। भाखड़ा मेन लाइन–हांसी ब्रांच–बुटाना बहुतउद्दे ीय लिंक नहर, जोकि पानी के समान बंटवारे के लिए बनाई गई है, का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। इसे चालू करने के लिए कानूनी मुद्दों को सुलझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कौ ाल्या डैम, भााहबाद–दादूपुर नलवी नहर के द्वितीय चरण और एन0सी0आर0 चैनल का कार्य इस वर्श पूरा कर लिया जाएगा। भिण्डावास झील, ओटू जला ाय और मसानी बैराज की क्षमता और बढ़ाई जा रही है।

सरकार राज्य भर में नहरी पानी के इश्टतम उपयोग को उच्च प्राथमिकता देती है। नहरी तंत्र का नवीनीकरण व इसकी व्यापक वि ोश मरम्मत का काम चरणबद्ध ढंग से किया जाएगा। जल संरक्षण और अन्तिम छोर तक पानी पहुंचाने के उद्दे य से पुराने रजबाहों और डिस्ट्रीब्यूटरियों को दोबारा पक्का किया जाएगा। 500 से भी अधिक जलमार्गों को दोबारा पक्का करने और उनके पुनः निर्माण का कार्य भारू किया जाएगा और इतनी ही संख्या में नए पक्के जलमार्ग प्रणाली में जोड़े जाएंगे। जल भराव को कम करने के लिए जवाहरलाल नेहरू नहर के तटों पर नलकूप लगाने का कार्य भारू किया जाएगा। बाढ़ के पानी की निकासी के लिए हरियाणा राज्य बाढ़ नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनुमोदित लगभग 100 स्कीमें क्रियान्वित की जा रही है।

मेरी सरकार अम्बाला सिंचाई स्कीम, जोकि अम्बाला और नारायणगढ़ क्षेत्रों के भूजल सम्भरण और सिंचाई सुविधाओं के लिए तैयार की गई है, के क्रियान्वयन के मुद्दे को केन्द्रीय जल आयोग के समक्ष मुस्तैदी से उठाएगी। मेवात नहर परियोजना को साकार करने के प्रयास भी किए जाएंगे।

बिजली

माननीय सभासदो, मेरी सरकार बिजली क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। हरियाणा में बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है। सरकार राज्य के लोगों को प्रतिदिन औसतन 907 लाख

यूनिट बिजली की आपूर्ति कर रही है। सरकार ने उत्पादन क्षमता में 5000 मैगावाट की अतिरिक्त वृद्धि करने और 2011–12 तक राज्य में बिजली की उपलब्धता दोगुणी करने के लिए पिछले कुछ वर्शों में भारी निवे ा किया है। मुझे यह बताते हुए खु ाी हो रही है कि मेरी सरकार द्वारा भ्रारू की गई सभी बिजली उत्पादन परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। जिला हिसार के खेदड़ गांव में स्थापित हो रही 1200 मैगावाट की राजीव गांधी थर्मल पावर परियोजना हिसार के खेदड़ गांव में स्थापित हो रही 1200 मैगावाट की राजीव गांधी थर्मल पावर परियोजना की 600 मैगावाट की पहली इकाई को 35 महीनों के रिकॉर्ड समय में दिसम्बर, 2009 में सिंक्रोनाइज किया गया। इस परियोजना की दूसरी इकाई अप्रैल, 2010 में भ्रारू होने की उम्मीद है। इस संयंत्र से मिलने वाली बिजली से इसी वर्श आगामी गर्मियों और धान की फसल के लिये राज्य को समुचित राहत मिलेगी।

हरियाणा सरकार, राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार और राश्ट्रीय ताप बिजली निगम के संयुक्त उद्यम के रूप में झज्जर में स्थापित हो रहे 1500 मैगावाट क्षमता के इन्दिरा गांधी सुपर थर्मल पावर प्रोजैक्ट निर्माण के उन्नत स्तर पर है। इस परियोजना की 500 मैगावाट की पहली इकाई जुलाई, 2010 में सिंक्रोजनाइज होने की उम्मीद है। परियोजना की 500 मैगावाट की दूसरी इकाई दिसम्बर, 2010 में और 500 मैगावाट की तीसरी इकाई फरवरी, 2011 में तैयार हो जाएगी। झज्जर के महात्मा गांधी

सुपर थर्मल पावर प्रोजैक्ट की 660 मैगावाट की पहली इकाई दिसम्बर, 2011 में चालू हो जाएगी और 660 मैगावाट की एक और इकाई मई, 2012 में चालू हो जाएगी।

अपनी बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने के अतिरिक्त, हरियाणा ने आगामी चार–पांच वर्शों में 5691 मैगावाट बिजली की अतिरिक्त आपूर्ति सुनिि चत करने के लिए स्वतंत्र बिजली उत्पादकों और केन्द्रीय क्षेत्र की परियोजनाओं से बिजली खरीद समझौते किए हैं। इसमें 1724 मैगावाट बिजली भाामिल है, जो हरियाणा से बाहर स्थापित की जाने वाली परियोजनाओं से भारत सरकार की केस–1 पॉलिसी के अन्तर्गत टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रणाली के माध्यम से तय की गई है। यह बिजली हरियाणा तक पहुंचने के लिए समुचित सम्प्रेशण नेटवर्क का प्रावधान किया जा रहा है।

मुझे इस सम्मानित सदन को यह बताते हुए खु ाी हो रही है कि केन्द्र सरकार ने जिला फतेहाबाद के गोरखपुर गांव में न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने के लिए स्थान की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। प्रथम चरण में 1400 मैगावाट की परियोजना स्थापित करने के लिए न्यूक्लियर पावर कॉरपोरे ान ऑफ इण्डिया ने पूर्व–परियोजना गतिविधियों भाुरू कर दी है और इस परियोजना का क्रियान्वयन 11वीं योजना में ही भाुरू हो जाएगा।

11वीं पंचवर्षीय योजना में बिजली के लिये 25,524 करोड़ रुपये का परिव्यय अब तक का सर्वाधिक है। वर्श 2009–10 में उत्पादन, सम्प्रेशण और वितरण तंत्र के सुधार पर कुल 5,268 करोड़ रुपये से भी अधिक खर्च होने की सम्भावना है। गत पांच वर्शों में 179 नए सब स्टे ान स्थापित किए गए हैं, वर्तमान 355 सब स्टे ानों की क्षमता बढ़ाई गई है और 2,372 किलोमीटर लम्बी सम्प्रेशण लाइनें बिछाई गई हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों को गुणवतापरक बिजली देने के लिए ग्रामीण, घेरलू और कृशि लोड को अलग अलग करने सम्बन्धित कार्य लगभग पूरा होने वाला है। इससे गांवों में बिजली की मात्रा और गुणवता में बहुत सुधार हुआ है। राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के अन्तर्गत 240 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे परिवारों को 2,36,913 कनैक ान देने का प्रस्ताव है। इनमें से जनवरी, 2010 तक 91,347 बी0पी0एल0 परिवारों को कनैक ान दिए जा चुके हैं। हाई वोल्टेज डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम नए सब स्टे ान बनाकर और वितरण लाइनें बिछाकर वितरण तंत्र को सुदृढ़ बनाने जैसी विभिन्न दूसरी स्कीमें भ्ारू की गई है। ये सभी उपाय राज्य के उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति में सुधार लाने में सहायक सिद्ध होंगे।

मेरी सरकार अक्षय ऊर्जा को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है और 15 स्वतंत्र बिजली उत्पादकों के साथ 212 मैगावाट

की 30 अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए समझौते किए हैं। इनमें लगभग 1,270 करोड़ रुपये का निवे ा होगा। सौर ऊर्जा से पानी गर्म करने की प्रणालियों, सौर ऊर्जा से गलियों में रो ानी और सोलर लैम्प को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। हरियाणा ने व्यक्तियों और संस्थानों को वितीय प्रोत्साहन प्रदान करके सौर ऊर्जा से पानी गर्म करने की प्रणालियों को प्रोत्साहित करने में पहल की है। राज्य सरकार ने सहकारी चीनी मिलों में को–जेनरे ान प्लांट स्थापित करके 44.6 मैगावाट बिजली का उत्पादन करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। रोहतक और भााहबाद की को–जेनरे ान परियोजनाओं को पूर्व परीक्षण के लिए चलाया जा चुका है।

ग्रामीण विकास

सरकार समावे ाी विकास एजेण्डा के एक भाग के रूप में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे परिवारों पर वि ोश ध्यान केन्द्रित करते हुए सतत विकास पर आधारित कई कार्यक्रम क्रियान्वित कर रही है।

बेरोजगारी की चुनौती का सामना करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना क्रियान्वित की जा रही है। इस योजना का उद्दे य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब लोगों की दक्षता और क्षेत्र की सम्भाव्यता पर आधारित लघु उद्यमों की स्थापना करना है। जनवरी, 2010 तक 11,851 लाभार्थियों की

सहायता के लिए लगभग 1840.48 लाख रुपये की रा ि ा खर्च की गई है।

महात्मा गांधी राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना प्रत्येक ग्रामीण परिवार को 100 दिन का रोजगार सुनि ि चत करती है। इस योजना के तहत ग्राम पंचायतों द्वारा जल संरक्षण जल संचयन, सूखा परिरक्षण, वनीकरण, पौधा रोपण, अनुसूचित जातियों, लघु एवं सीमान्त किसानों और अन्य ग्रामीण गरीब लोगों के स्वामित्व वाली भूमि की सिंचाई सुविधाओं, परम्परागत जला ायों के पुनरोद्धार, भूमि विकास, बाढ़ नियंत्रण एवं बाढ़ बचाव कार्यों और ग्रामीण संयोजिता जैसे विकास कार्य करवाये जा रहे हैं। वर्श 2009–10 में, जनवरी 2010 तक रोजगार के लगभग 40 लाख मानव दिवस सृजित किये गये। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि इस योजना के उत्कृश्ट क्रियान्वयन के लिए जिला अम्बाला को राश्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है।

महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के तहत पात्र अनुसूचित जातियों, पिछड़ी जातियों (वर्ग–ए) तथा बी0पी0एल0 परिवारों को 100 वर्ग गज के प्लाट मुफ्त आवंटित किये जा रहे हैं। अब तक 2.91 लाख पात्र परिवारों को ऐसे प्लाट आवंटित किये जा चुके हैं एवं भोश पात्र परिवारों को प्लाट आवंटन की प्रक्रिया जारी है। इस योजना के तहत आन्तरिक सड़कों के विकास का कार्य महात्मा गांधी राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के साथ जोड़ा गया है।

इन्दिरा आवास योजना के तहत, बी0पी0एल0 परिवारों द्वारा आवास इकाइयों के निर्माण के लिए केन्द्र–प्रायोजित योजना के तहत प्रति इकाई 35,000 रुपये का सहायतानुदान उपलब्ध करवाया जा रहा है। चालू वित वर्श के दौरान लगभग 90 करोड़ रुपये की वितीय सहायता से 25,611 मकानों का निर्माण होने की सम्भावना है।

गांवों में स्वच्छता, पर्यावरण और स्वास्थ्य निर्धारकों में सुधार के लिए मेरी सरकार ने केन्द्र–प्रायोजित योजना 'सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान' को क्रियान्वित किया है। ग्राम प्रचायतों में प्रतिस्पर्धात्मक माहौल बनाने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्दे य से मुख्यमंत्री स्वच्छता प्रोत्साहन पुरस्कार भुरू किया गया है। भौचालयों के प्रयोग को बढ़ावा देने और खुले में भौच जाने की आदत खत्म हो जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में जीवनयापन की गुणवता में नि चय ही सुधार होगा।

ि ाक्षा

माननीय सभासदो, मेरी सरकार विद्यालय ि ाक्षा को उच्च प्राथमिकता देती है। प्राथमिक ि ाक्षा के सर्वाभौमिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने और माध्यमिक ि ाक्षा की ओर परिगमन दर में सुधार के लिए राज्य–स्कीमों व सर्वि ाक्षा अभियान के तहत कई कदम उठाए गये हैं। गुणवता सुनि चित करना और पहुंच में सुधार लाना हमारी नीति के केन्द्र बिन्दु हैं। निः ाुल्क और

अनिवार्य ि ाक्षा अधिकार अधिनियम के दायरे में रहते हुए मेरी सरकार प्राथमिक स्तर पर ि ाक्षा के अधिकार को प्राथमिकता देगी।

मेरी सरकार स्कूलों में पढ़ने वाले 18 लाख जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितीय सहायता प्रदान करने में अभूतपूर्व रूप से अग्रणी है। अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों (ए) और गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों के कक्षा एक से बारह तक के प्रत्येक विद्यार्थी को 75 रुपये से 400 रुपये तक के मासिक वजीफे दिए जाते हैं। लिंगानुपात के अन्तर को कम करने और लड़कियों को ि ाक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के दृश्टिगत लड़कियों के लिए वजीफे की दर लड़कों से अधिक रखी गई है। मेधावी छात्र–छात्राओं के लिए छात्रवृति स्कीमों के अतिरिक्त सरकारी स्कूलों में पहली से आठवीं तक पढ़ रहे सभी विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकें और कार्य पुस्तिकाएं मुफ्त दी जा रही है। इन प्रोत्साहनों के सकारात्मक परिणाम निकले हैं। कमजोर वर्गों की लड़कियों समेत विद्यार्थियों के प्रवे ा में सराहनीय सुधार हुआ है। जन चेतना और लक्षित प्रोत्साहन की नीतियों से प्राथमिक स्तर पर सकल प्रवे ा अनुपात 98.86 प्रति ात हो गया हे।

राज्य सरकार ने ि ाक्षा की गुणवता में सुधार लाने के लिए कई कदम उठाए हैं। स्कूल स्तर पर ढांचागत अन्तर को पाटने के अलावा सॉफ्ट स्किल बढ़ाने के कार्यक्रम भाुरू किए गये हैं। प्राथमिक स्तर पर 40 स्कूलों में कम्प्यूटर आधारित अध्ययन की

एक मार्गद ीं परियोजना भाुरू की गई है। इसके अलावा, उच्च और वरिश्ठ माध्यमिक स्तर पर 1089 स्कूलों में कम्प्यूटर ि ाक्षा भाुरू की गई है।

मेरी सरकार केन्द्र सरकार की भागीदारों में राश्ट्रीय माध्यमिक ि ाक्षा अभियान के तहत माध्यमिक ि ाक्षा के सार्वभौमिकरण और सर्व ि ाक्षा अभियान की उपलब्धियों को हासिल करने के लिए पूरी तरह से तत्पर है। इस संबंध में पूर्व परियोजना गतिविधियां पहले ही भाुरू की जा चुकी है। साक्षरता में सुधार के लिए एक अनूठी केन्द्रीय योजना 'साक्षर भारत' भाुरू की गई है। इस स्कीम के अन्तर्गत न्यूनतम महिला साक्षरता वाले राज्य के भौक्षणिक रूप से पिछड़े दस जिले कवर होंगे। स्कूलों में 'मिड डे मील' पकाने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को भाामिल करने का भी सरकार का प्रस्ताव है। इससे महिलाओं को आमदनी होगी और समुदाय की भागीदारी में सुधार होगा।

मेरी सरकार राज्य में उच्च ि ाक्षा संस्थानों की उपलब्धता और गुणवत्ता में सुधार लाना चाहती है। विभिन्न महाविद्यालयों और वि वविद्यालयों में सीटों की संख्या में व्यापक वृद्धि हुई है। यह वृद्धि मुख्यतः विज्ञान, कम्प्यूटर, वाणिज्य और अर्थ ाास्त्र जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में हुई है। वर्तमान राजकीय महाविद्यालयों के इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ बनाकर तथा निजी क्षेत्र में नये संस्थान खोल कर उच्च ि ाक्षा की प्राप्ति में और सुधार किया जा रहा है। हरियाणा निजी वि वविद्यालय

अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत दो निजी वि वविद्यालय स्थापित हो चुके हैं। मुझे यह बताते हुए बड़ी खु ी हो रही है कि महेन्द्रगढ़ में केन्द्रीय वि वविद्यालय भ्रारू हो चुका है। रोहतक में भारतीय प्रबन्धन संस्थान भी आरम्भ हो चुका है।

उच्च िक्षा की गुणवता में सुधार के लिए किए गये उपायों में सैमेस्टर प्रणाली भ्रारू करना भी भ्रामिल है। इस प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। उच्च िक्षा प्रणाली में सभी विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटर िक्षा को अनिवार्य करने का भी प्रस्ताव है।

तकनीकी िक्षा एवं दक्षता विकास

मेरी सरकार युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करवाने के लिए दक्षता विकास सुविधाओं की स्थापना की जरूरत के प्रति पूरी तरह से सजग है। उद्योग की तकनीकी रूप से प्र िक्षित मानव– ाक्ति की आव यकताओं की पूर्ति के लिए तकनीकी िक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न कदम उठाए गये हैं। चीका, नरवाना, सांपला, लिताना और सांधी में बहुतकनीकी संस्थानों और मुरथल में सैण्ट्रल इन्स्टीच्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी की स्थापना करना आदि कुछ नई परियोजनाएं हैं, जो पाइप लाइन में हैं। दक्ष मानव– ाक्ति की आव यकता की पूर्ति 78 औद्योगिक प्र िक्षण संस्थानों और 31 महिला औद्योगिक प्र िक्षण संस्थानों के माध्यम

से की जा रही है। इनमें 27,792 सीटें हैं। हरियाणा में सार्वजनिक–निजी भागीदारी से आई0टी0आई0 स्थापित करने के लिए पांच स्थानों व दक्षता विकास केन्द्रों की स्थापना के लिए 85 स्थानों की पहचान की गई है। इस प्रस्ताव को भारत सरकार को भेज दिया गया है। उद्योग व संस्थानों के मध्य नियमित एंव सीधा तालमेल बैठाने और संस्थानों को कार्यगत वितीय और प्रबन्धकीय स्वायतता प्रदान करने के लिए संस्थान प्रबन्धन समितियां गठित की गई है।

महिलाओं को स्वरोजगार के साथ साथ उद्योगों में रोजगार के लिए प्राथमिकता के आधार पर प्र ाक्षण भी दिया जा रहा है। 78 प्र ाक्षण संस्थानों में सह ाक्षा की सुविधा उपलब्ध है और 31 संस्थान केवल महिलाओं के लिए है। राज्य के सभी प्र ाक्षण संस्थानों में 30 प्रति ात सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इन सभी राजकीय संस्थानों में महिला प्र ाक्षणार्थियों से कोई ट्यू ान फीस नहीं ली जाती है।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा ि ाक्षा

स्वास्थ्य सेवाएं मेरी सरकार की मुख्य प्राथमिकता रहेगी। प्राथमिक से लेकर तृतीयक स्तर तक सस्ती, समान और सहज सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए कई कदम उठाये गये हैं। सरकार चिकित्सा की वैकल्पिक पद्धतियों को प्रोत्साहित

करने के अलावा स्वास्थ्य देखभाल के प्रतिरोधात्मक और प्रोत्साहक पहलुओं पर भी बल दे रही है।

चिकित्सकों की निरन्तर भर्ती प्रक्रिया, निः ाुल्क दवाइयां, सर्जरी पैकेज, गरीबों को निः ाुल्क उपचार जिला अस्पतालों का उन्नयन, भाहरी मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना, बड़े पैमाने पर नये उप केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण, सप्ताह में 24 घण्टे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का खुला रहना कुछ ऐसे कदम हैं, जो सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए उठाये गये हैं। 14 नवम्बर, 2009 को भाुरू की गई है 'हरियाणा स्वास्थ्य वाहन सेवा नंबर–102 में 319 एम्बुलैंस उपलब्ध है, जिनसे आपातकालीन चिकित्सा के समय गर्भवती महिलाएं और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इस सेवा का 40,000 से अधिक व्यक्ति लाभ उठा चुके हैं, जिनमें से 53.4 गर्भवती महिलाएं हैं। इस सेवा का और भी विस्तार किया जाएगा। 18 वर्श तक की आयु के 40 लाख से अधिक बच्चों को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 26 जनवरी, 2010 को इन्दिरा बाल स्वास्थ्य योजना भाुरू की गई थी। इसके प्रथम चरण में राजकीय विद्यालयों के 14 लाख बच्चों को स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा प्रदान की जा चुकी है। इस स्कीम के संबंध में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, ि ाक्षा और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभागों के बीच अनूठा तालमेल है। बी0पी0एल0 परिवारों के बच्चों में कैंसर, हृदय रोग और

विकलांगता के मामले में निः ाुल्क उपचार किया जाएगा। इस उद्दे य के लिए 'इंदिरा बाल स्वास्थ्य कोश' स्थापित किया जा रहा है। नेत्रदान की सुविधा के लिए नेहरू दृश्टि योजना भाुरू की गई है जो अपनी किस्म की पहली योजना है। नेत्रदान के लिए टोल फ्री टेलीफोन नबंर 102 पर सम्पर्क किया जा सकता है। सभी जिला अस्पतालों में नेत्र संग्रहण केन्द्र स्थापित किए गये हैं।

मेरी सरकार ने चिकित्सा ि ाक्षा में नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मेवात और खानपुर कलां (सोनीपत) में दो नये चिकित्सा महाविद्यालयों, जोकि निर्माणधीन है, के अलावा स्वर्गीय कल्पना चावला की स्मृति में करनाल में एक और नया चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किया जा रहा है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा भी फरीदाबाद में एक चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किया जा रहा है। इन संस्थानों से चिकित्सा क्षेत्र में ि ाक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों को और अधिक अवसर मिलेंगे और राज्य में तृतीयक स्तर की सेवाओं में विस्तार होगा। जिला झज्जर के गांव बाढ़सा में स्थापित किया जा रहा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का द्वितीय चरण मेरी सरकार की प्रमुख उपलब्धि है। इसके साथ ही स्नातकोतर आयुर्विज्ञान संस्थान रोहतक का प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत 150 करोड़ रुपये की लागत से उन्नयन किया जा रहा है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

राज्य सरकार समाज के कमजोर वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के प्रति वचनबद्ध है। विभिन्न सामाजिक सुरक्षा स्कीमों के तहत 19 लाख से भी अधिक लोग वितीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं। वृद्धों, विकलांगों और निराश्रित व्यक्तियों की मासिक पें ान की दरों में समुचित वृद्धि की गई है। इस उद्दे य के लिए बजट में दो गुणा से भी अधिक वृद्धि करते हुए 2008–09 के 660 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये और 10 साल या इससे अधिक समय से पें ान ले रहे लाभपात्रों के लिए यह रा ि ा 700 रुपये प्रतिमास की गई है। विधवाओं के लिए मासिक पें ान 350 रुपये से बढ़ाकर 750 रुपये की गई है।

मेरी सरकार ने दृश्टि, श्रवण एवं वाणी बाधित व मानसिक चुनौतियों से ग्रस्त बच्चों के लिए अत्याधुनिक विद्यालय, व्यावसायिक ि ाक्षा और प्र ि ाक्षण केन्द्रों तथा राज्य संस्थानों की स्थापना के लिए 150 करोड़ रुपये के बजट से जवाहर सामाजिक इन्फ्रास्ट्रक्चर मि ान भ्रारू किया है। जरूरतमंद वरिश्ठ नागरिकों और बच्चों के लिए गृह भी स्थापित किए जा रहे हैं।

महिला एवं बाल विकास

मेरी सरकार का मानना है कि समाज में महिलाओं और बच्चों का वि ोश स्थान है। एक बड़ा विस्तार करते हुए 17,444 आंगनवाड़ियों के मौजूदा तंत्र में 8255 नए आंगनवाड़ी केन्द्रों की बढ़ोतरी की जाएगी। इनमें से 1081 आंगनवाड़ीयां अल्पसंख्यक

बस्तियों में औश्र 873 अनुसूचित जातियों की बस्तियों में होगी। 6 माह से 6 साल के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और दूध पिलाने वाली माताओं तथा कि ाोरी लड़कियों को पूरक पोशाहार उपलब्ध करवाने के लिए 179.46 करोड़ रुपये की रा ि ा खर्च की जाएगी। सरकार द्वारा जो नई पहल की गई है उनमें आई0सी0डी0एस0 में पूरक पोशाहार की दरें 3 रुपये से बढ़ाकर 4 रुपये प्रति बच्चा प्रतिदिन और गंभीर रूप से कुपोशित बच्चों के लिए 5 रुपये से बढ़ाकर 6 रुपये की गई है। आंगनवाड़ी केन्द्रों में आने वाले बच्चों को अब सुबह ना ता और दोपहर को गर्म भोजन के रूप में दो आहार दिए जाते हैं। गिरते लिंगानुपात की समस्या से निपटने के लिए 2005–06 में चलाई गई 'लाडली योजना' को लोगों से भारी समर्थन मिल रहा है और इससे 85991 परिवार लाभान्वित हुए हैं। राज्य सरकार ने इसे अगले पांच वर्शों के लिए और बढ़ाने का निर्णय लिया है। महिलाओं को केन्द्र बिन्दु में रखना और उन्हें राज्य के विकास में पूर्ण रूप से भागीदारी के अवसर प्रदान करना मेरी सरकार का वि ोश प्रयास रहेगा। साक्षर महिला समहों को और सुदृढ़ किया जाएगा और गांवों में सामाजिक विकास की गति को तेज करने में इन्हें भाामिल किया जाएगा। महिला चौपालों को महिलाओं की क्षमता निर्माण और उनकी गतिविधियों के लिए एक प्रभावी मंच बनाया जाएगा।

अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्गों का कल्याण

मेरी सरकार अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और कमजोर वर्गों के कल्याण के प्रति संवेदन ाल है। सरकार इनके सामाजिक–आर्थिक व भौक्षणिक उत्थान के लिए कई योजनाएं क्रियान्वित कर रही है। इन वर्गों में ि ाक्षा के प्रोत्साहन पर वि ोश जोर दिया जा रहा है।

अनुसूचित जातियों व पिछड़े वर्गों के मेधावी छात्रों की सहायता के लिए चलाई जा रही डॉ0 अम्बेडकर मेधावी छात्र योजना स्नातकोतर स्तर पर भी लागू की गई है। इस योजना के तहत 4000 रुपये से 12000 रुपये तक वार्शिक छात्रवृतियां दी जा रही है। 'अनुसूचित जाति छात्रा उच्च ि ाक्षा प्रोत्साहन योजना' भाुरू की गई है, जिसके तहत विज्ञान, वाणिज्य और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में पढ़ने वाली अनुसूचित जातियों की छात्राओं को 5000 रुपये से 14000 रुपये तक वार्शिक छात्रवृतियां दी जाती है।

मुझे यह बताते हुए खु ाी हो रही है कि 'इन्दिरा गांधी प्रियदि र्ानी विवाह भागुन योजना' के तहत भागुन की रा ि ा 5100 रुपये से बढ़ाकर 11000 रुपये और 15000 रुपये से बढ़कार 31000 रुपये कर दी गई है।

श्रम

मेरी सरकार ने सौहार्दपूर्ण औद्योगिक सम्बन्धों को बढ़ावा देने, औद्योगिक सुरक्षा और श्रमिकों के कल्याण के लिए कई जरूरी कदम उठाए हैं। सरकार ने मुद्रास्फीति के प्रभाव को

कम करने के लिए न्यूनतम मजदूरी में समय समय पर सं ाोधन किया है। इस समय एक अकु ाल श्रमिक की न्यूनतम मासिक मजदूरी 4214 रुपये और दैनिक मजदूरी 162 रुपये है। निर्माण क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी पद्धति के अन्तर्गत हरियाणा लेबरनेट सैंटर के नाम से एक समेकित कल्याण योजना हाल ही में भ्ारू की गई है। इस योजना के हतह यह सैंटर पंजीकरण, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा प्र ि ाक्षण, दक्षता उन्नयन की सेवाएं छोटे बच्चों के लिए क्रैच और छः वर्श से अधिक आयु के बच्चों के लिए स्कूल सुविधाएं उपलब्ध करवाएगा। बी0पी0एल0 परिवारों को स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध करवाने के लिए राश्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के नाम से एक नकदी रहित योजना हरियाणा के सभी जिलों में क्रियान्वित की जा रही है। लाभार्थी प्रतिवर्श प्रति बी0पी0एल0 परिवार 30,000 रुपये की बीमित रा ि ा की सीमा तक सार्वजनिक और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य देखभाल के लिए पात्र हैं। चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाने और डाटा मैनेजमैंट में राज्य के उत्कृश्ट प्रद र्ान की भारत सरकार ने सराहना की है। विभिन्न अधिनियमों के तहत ऑनलाइन रजिस्ट्रे ान और लाइसेंसिंग की सुविधा भ्ारू की गई है।

कर्मचारी कल्याण

मेरी सरकार अपने कर्मचारियों, पे ानभोगियों और भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने,

असामाजिक तत्वों के खिलाफ लड़ते हुए या प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जनजीवन तथा सम्पति के बचाव के लिए जान गवाने वाले पुलिस कार्मिकों के लिए स्पे ाल एक्स–ग्रे ि ाया ग्राण्ट 7.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी है।

भाहरी विकास

दिल्ली और राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले हरियाणा के भाहरों में संयोजिता के सुधार पर ध्यान दिया गया है। यह खु ाी की बात है कि जनवरी 2010 में दिल्ली मैट्रो को परीक्षण के तौर पर गुड़गांव तक चलाया गया है। इसके अप्रैल–मई, 2010 तक चालू हो जाने की सम्भावना है। गुड़गांव में मानेसर, गुड़गांव से इन्दिरा गांधी अन्तर्राश्ट्रीय हवाई अड्डा बदरपुर से फरीदाबाद और दिल्ली से बहादुरगढ़ तक नये मैट्रो लिंक की भी योजना बनाई जा रही है।

सरकार विकास प्रक्रिया में भाहरी गरीब लोगों को भागीदार बनाने की दि ाा में पहल कर रही है। हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण, आ ि ायाना योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को कम लागत की आवास इकाइयां उपलब्ध करवा रहा है। इस समय 7352 आवास आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आवास उपलब्ध करवाने की नीति में हाल ही में सं ाोधन किया गया हैं। इसके बाद लाइसेंस ाुदा आवासीय कालोनियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षित 50 प्रति ात प्लाट

हरियाणा आवास बोर्ड को दिये जाएंगे ताकि बी0पी0एल0 परिवारों के लिए कम लागत के फ्लैटों का निर्माण किया जा सके। आवास बोर्ड वितीय वर्श 2010–11 में बरही, बावल, बहादुरगढ़, जींद, हांसी, हिसार, सिरसा और सोनीपत में एक नई आवास परियोजना भ्रारू कर रहा है।

भाहरी क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे में सुदृढ़ीकरण में तेजी लाते हुए मेरी सरकार ने वर्श 2009–10 के दौरान हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण के माध्यम से 925 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाये जा रहे हैं। मेरी सरकार नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत भाहरी स्थानीय निकायों को वितीय सहायता भी उपलब्ध करवा रही है। अनुसूचित जातियों तथा विमुक्त जनजातियों के लिए आवास योजना के तहत मकानों के निर्माण के लिए 50,000 रुपये अनुदान दिया जा रहा है।

पेय जल आपूर्ति एवं स्वच्छता

मेरी सरकार हरियाणा के सभी गांवों और कस्बों में पर्याप्त स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए सदैव कटिबद्ध रही है। वर्श 2009–10 में पेयजल आपूर्ति में संवर्धन के लिए 950 गांवों की पहचान की गई है। इन्दिरा गांधी पेयजल परियोजना के तहत लगभग 10 लाख अनुसूचित जाति के परिवारों को निः ाुल्क निजी पेयजल कनैक ान और 200 लिटर क्षमता की एच.डी.पी.ई. टंकी दी जा रही है। सामान्य श्रेणी के परिवारों को निजी पेयजल

कनैक ान के लिए प्रोत्साहित करने के उद्दे य से गांवों में 500 रुपये और भाहरी क्षेत्रों में 1000 रुपये की कनैक ान फीस माफ की गई है। सरकार ने 19 नवम्बर, 2009 से एक वर्श की अवधि के लिए भाहरों में 1000 रुपये की भ्रुआती सीवर कनैक ान फीस भी माफ कर दी है। मेवात क्षेत्र की आरे भी वि ोश ध्यान दिया गया है जोकि पेयजल की अत्यधिक कमी का सामना कर रहा है।

मेवात क्षेत्र में पेयजल सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए 300.49 करोड़ रुपये की सं ाोधित लागत से राजीव गांधी पेयजल संवर्धन परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। इस परियोजना के ट्यूबैवल सैग्मैंट के माध्यम से 200 गांवों को लाभ हुआ है और अन्य 148 गावों को रेनीवैल सैग्मैंट के भाग–2 के तहत स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाया गया है। इस परियोजना का बकाया कार्य भाीघ्रता से पूरा किया जा रहा है।

पेयजल की अत्यधिक कमी से प्रभावित क्षेत्रों में जलापूर्ति के संवर्धन और वितरण प्रणाली के सुधार के लिए राश्ट्रीय कृशि एवं ग्रामीण विकास बैंक से ऋण तथा राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड से केन्द्रीय सहायता प्राप्त की गई है। आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज के तहत भात–प्रति ात जलापूर्ति और सीवरेज सुविधाओं के लिए 15 भाहरों नामतः अम्बाला भाहर, भिवानी, चरखी दादरी, फतेहाबाद, हांसी, जुलाना, कलायत, अरान्ध, कैथल, महेन्द्रगढ़, नारनौल, सिरसा, ऐलनाबाद, टोहाना और उचाना का चयन किया गया है।

पंचायती राज संस्थाओं को चरणबद्ध ढंग से एक गांव नलकूप योजना के साथ साथ एक गांव दो नलकूप योजना के प्रचालन और रखरखाव का कार्य सौपने का प्रस्ताव है। इससे पंचायती राज संस्थाओं का न केवल स ाक्तिकरण होगा अपितु इन सेवाओं का कु ाल संचालन भी सुनि ि चत होगा।

सड़कें एवं भवन

माननीय सभासदो, विकास के लिए सड़कों का इन्फ्रास्ट्रक्चर पहली जरूरत है। हरियाणा ने बहुत पहले सभी गांवों को सड़कों से जोड़ दिया था। परिवहन को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए सरकार सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर के सुधार और उन्नयन पर वि ोश ध्यान दे रही है। सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर में तेजी से विकास के लिए सरकार सार्वजनिक– निजी भागीदारी को गढ़ावा दे रही है। गुड़गांव–फरीदाबाद सड़क और बल्लभगढ़–पाली–धौज–सोहना मार्ग के सुधार का कार्य बी.ओ.टी. आधार पर हाथ में लिया गया है। वर्श 2009–10 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 710 किलोमीटर लम्बी ग्रामीण सड़कों का सुधार किया गया। सड़क उपरिगामी पुलों के निर्माण का कार्य बड़े पैमान पर भाुरू किया गया है। 298 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के 13 आर.ओ.बी. का निर्माण कार्य चल रहा है और चालू वित वर्श में सात आर.ओ.बी. का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। 'राजीव गांधी सड़क एवं पुल संरचना विकास कार्यक्रम' का पहला चरण पूरा होने के बाद इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास

को और बढ़ावा देने के लिए इसका दूसरा चरण भुरू किया गया है जिस पर 5000 करोड़ रुपये व्यय किए जांएगे। सार्वजनिक भवनों के नवीनीकरण और सुधार पर वि ोश बल दिया गया है। 596 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से रोहतक–झज्जर और सोनीपत–जींद रेलवें लाइन का कार्य प्रगति पर है।

परिवहन

दक्ष सार्वजनिक परिवहन राज्य के सर्वागीण विकास के लिए पहली जरूरत है। यातायात आय, बेड़े की औसत आयु, वाहन और अमला उत्पादकता, परिचालन लागत, दूर्घटना दर और ईंधन दक्षता जैसे कई मानदण्डों पर हरियाणा राज्य परिवहन की उपलब्धियां उल्लेखनीय रही है। मेरी सरकार राज्य में सार्वजनिक परिवहन में और सुधार करने तथा परिवहन परिचालन का आधुनिकीकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनता को दक्ष यात्री परिवहन सुविधा प्रदान करने की दृश्टि से एक नई परिवहन नीति बनाई गई है। इसके तहत 1700 से अधिक नये स्टेज कैरिज परमिट्स का आवंटन करने का प्रस्ताव है। इस कदम का उद्दे य न केवल परिवहन व्यवस्था में सुधार करना है बल्कि बड़ी संख्या में ि ाक्षित बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध करवाना भी है।

उद्योग एवं वाणिज्य

हरियाणा अधिमानित औद्योगिक निवे ा गन्तव्य के रूप में अपना अग्रणी स्थान बनाए रखने में सफल रहा है। हरियाणा को भारतीय आर्थिक परिवीक्षण केन्द्र द्वारा 2007 में प्रति व्यक्ति औद्योगिक निवे ा आकर्शित करने में अग्रणी माना गया है। वर्श 2005 से राज्य में 43,500 करोड़ रुपये का निवे ा हो चुका है। जबकि1,01,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पाइपलाइन में हैं। राज्य को विदे ाी प्रत्यक्ष निवे ा के माध्यम से कुल 12,500 करोड़ रुपये का निवे ा प्राप्त हुआ है, जिसमें से 9,277 करोड़ रुपये का निवे ा पिछले पांच वर्शों में हुआ है।

मेरी सरकार विभिन्न स्थानों पर औद्योगिक श्रमिकों के लिए आवास उपलब्ध करवाने और अपने लोगों को रोजगार प्राप्त करने की क्षमता बढ़ाने के लिए दक्षता विकास सुविधाओं के विस्तार के प्रति सचेत है। इस दि ाा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार औद्योगिक विकास के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे की जरूरत को समझती है। छः राज्यों में गुजरने वाले लगभग 1480 किलोमीटर लम्बे फ्रेट कोरिडोर के साथ साथ विकसित किए जा रहे दिल्ली–मुम्बई इण्डस्ट्रीयल कोरिडोर प्रोजैक्ट का क्रियान्वयन राज्य की तरक्की और विकस के अनेक अवसर प्रदार करेगा। मेरी सरकार ने दिल्ली–मुम्बई औद्योगिक कोरिडोर क्षेत्र के अंदर मुख्य पहल के रूप में तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की पहचान की है। ये हैं–गुड़गांव–मानेसर–बावल के बीच मास

रैपिड ट्रांसपोर्टे ान सिस्टम, एग्जीवि ान–कम–कन्वे ान सैंटर और इण्टीग्रेटेड मल्टी मॉडल लॉजिस्टिकस हब।

औद्योगिक नीति 2005 उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। गति ील आर्थिक एवं निवे ा के परिवे ा के दृश्टिगत सरकार ने औद्योगिक नीति में उपयुक्त परिवर्तन करने का निर्णय लिया है। अप्रैल, 2010 के अन्त तक सं ाोधित औद्योगिक नीति के घोशित हो जाने की सम्भावना है। जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमान पर प्रयोग करके उद्यमियों को दक्षतापूर्ण तथा पारद र्ी ढंग से परे ाानी–मुक्त अनुमोदन एवं क्लीयरैंस प्रदान करने पर बल दिया जाएगा।

खान एवं भू–विज्ञान

हरियाणा में प्राकृतिक खनिज संसाधनों की कमी है। हरियाणा में खनन का कार्य मुख्यतः निर्माण सामग्री जिसमें लघु खनिज भाामिल हैं तक सीमित है। मेरी सरकार ने खनन का एक समग्र दृश्टिकोण अपनाया है और इस दि ाा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

जिला फरीदाबाद, गुड़गांव और मेवात में दस वर्शों की अवधि के लिए मुख्य खनिजों के खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा सरकार ने हरियाणा राज्य के लिए 30 वर्शीय खनन योजना बनाने के लिए कदम उठाए है ताकि अल्प प्राकृतिक संसाधनों का तर्कसंगत तरीके से दोहन हो।

हिस्सेदारों के साथ पराम र्ी प्रक्रिया के माध्यम से राज्य लघु खनिज रियायत नियमों की पूर्ण समीक्षा करने का निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार पूर्व में खनन उपरान्त छोड़े गये स्थलों के पुनर्वास और बहाली की योजना बनाने के लिए पराम र्दाता नियुक्त किये गये हैं। मेरी सरकार द्वारा किये गये ठोस प्रयासों के फलस्वरूप माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने फरीदाबाद जिले में 600 हैक्टेयर क्षेत्र में लघु खनिजों के खनन की अनुमति प्रदान कर दी है। मेरी सरकार एक दीर्घावधि खनन योजना बनाएगी, जिसमें सतत विकास के सिद्धान्तां का पालन करते हुए निर्माण सामग्री की बाजार की मांग की पूर्ति और प्राकृतिक संसाधनों के सर्वोतम उपयोग के बीच संतुलन सुनि चत किया जाएगा।

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण

मेरी सरकार पर्यावरण से संबंधित सरोकारों के प्रति समुचित रूप से गंभीर है। वनीकरण पर वि ोश बल दिया गया है। चालू वर्श के दौरान 22,665 हैक्टेयर भूमि पर वृक्षारोपण किया जा रहा है एवं पौधे मुफ्त बांटे गये हैं।

सरकार पर्यावरण सुधार के लिए विभिन्न विनियमों का क्रियान्वयन सुनि चत करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में अधिसूचित वि ाश्टियों पर खरा न उतरने वाली प्लास्टिक की थैलियों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। ऐतिहासिक भाहर कुरूक्षेत्र और अन्य अधिसूचित धार्मिक स्थानों के साथ साथ वन्य

प्राणी विहार, राश्ट्रीय पार्कों और राज्य के सार्वजनिक पार्कों में प्लास्टिक की वस्तुओं पर भी पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया गया है। पाली, फरीदाबाद में खतरनाक कचरा भाोधन एवं निपटान सुविधा अति भाीघ्र चालू हो जाने की सम्भावना है। स्वास्थ्य विभाग और अस्पतालों की सहायता से जैव–चिकित्सा कचरे के निपटान हेतु एक राज्यव्यापी कार्य योजना तैयार की जा रही है।

पर्यटन

मेरी सरकार ने पर्यटन को आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का उत्प्रेरक बनाने के लिए इसके विकास की ओर वि ोश ध्यान दिया है। पानीपत–कुरूक्षेत्र–पिंजौर सर्किट विकास के अंतिम चरण में है। हाल ही में पिंजौर के भीमा देवी परिसर का उन्नयन किया गया है। इसे भारत सरकार ने श्रेश्ठ संरक्षित पर्यटक हितैशी स्मारक घोशित किया है। पिंजौर को धरोहर गंतव्य स्थल के रूप में विकसित करने के दृश्टिगत वहां की ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। डूण्डाहेड़ा और सूरजकुण्ड में दो मुख्य ि ाविर स्थल स्थापित किये जा रहे हैं। कुरूक्षेत्र के श्रीकृश्ण संग्रहालय में महाभारत दीर्घा निर्माणधीन है। हरियाणा को बैठकों, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रद र्ानी पर्यटन के लिए पैसीफिक एरिया ट्रेवल राइटर्स एसोसिए ान ने सर्वश्रेश्ठ राज्य आंका है और पांचवें हॉस्पिटेलिटी इंडिया एण्ड एक्सप्लोर द वर्ल्ड एनुअल इंटरनै ानल अवार्ड 2009 में धरोहर संरक्षण और अनुरक्षण के लिए सर्वश्रेश्ठ राज्य माना है। राश्ट्रमण्डल खेलों के

दृश्टिगत राज्य सरकार राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 6,500 से अधिक कमरे उपलब्ध करवाने की व्यवस्था कर रही है।

खाद्य एवं आपूर्ति

मेरी सरकार आव यक वस्तुओं के बढ़ते मूल्यों के प्रति चिंतित है। मुद्रास्फीति आज घरेलू कारकों की बजाय वै वक कारकों की वजह से अधिक हुई है। फिर भी, सरकार ने राज्य में खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता और निर्बाध आपूर्ति सुनि चत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। जमाखोरी को रोकने के लिए सरकार ने गेहूं, चावल, चीनी, दालों व खाद्य तेलों के लिए भण्डारण सीमा निर्धारित की है। लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीबी रेखा से ऊपर के परिवारों के लिए कई बार गेहूं जारी किया गया है। बी0पी0एल0 उपभोक्ताओं के लिए भी गेहूं और दालों की पर्याप्त आपूर्ति सुनि चत की जा रही है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली में हेरा–फेरी को रोकने के लिए राज्य सरकार ने स्मार्ट रा ान कार्ड जारी करने का निर्णय किया है।

राजस्व

मेरी सरकार ने कृशि सुधारों की दि ाा में एक अहम कदम उठाते हुए डोहलीदारों भोण्डीदारों, मुकर्ररदारों और बुटीमारों को उनकी जमीन के मालिकाना हक देने का ऐतिहासिक नीतिगत निर्णय लिया है। इन वि ोश श्रेणियों के व्यक्तियों को उनके द्वारा समाज को प्रदान की गई सेवाओं की एवज में भूमि

आवंटित की गई थी। ये व्यक्ति कई पीढ़ियों से इस जमीन की का त करते आ रहे थे, लेकिन वे वितीय संस्थाओं से ऋण लेने के लिए ऐसी भूमि को हस्तांतरित या गिरवी नहीं रख सकते थे। वि ोश श्रेणियों को स्वामित्व के अधिकार देने के इस क्रांतिकारी कदम से उनकी कठिनाइयां दूर होंगी।

भूमि मालिकों को स्वामित्व रिकॉर्ड की कम्प्यूटरीकृत प्रतिया दी जा रही हैं। भू–रिकॉर्ड का आधुनिकरण करने के व्यवस्थित प्रयास किए जा रहे हैं और राश्ट्रीय भू–रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत वितीय सहायता लेने के लिए आठ जिलों नामतः गुड़गांव, पलवल, जींद, कुरूक्षेत्र, झज्जर, फरीदाबाद, मेवात और सिरसा के भू–रिकॉर्ड का आधुनिकीकरण करने का एक प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया है। उपयुक्त मानदण्डों को बढ़ावा देने और सम्पतियों का लेन–देन करने वालों की कार्य प्रणाली को नियंत्रित करने के लिए हरियाणा सम्पति व्यवहारी तथा परामर्शदाता अधिनियम, 2008 के अन्तर्गत नियमों को अधिसूचित कर दिया गया है और उन्हें लागू किया जा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– ाासन

जहां तक आईटी उद्योग के विकास का सम्बंध है लगभग सभी अग्रणी आई0टी0 कम्पनियों, जिनका हरियाणा में आधार है, की उपस्थिति के कारण राश्ट्रीय मानचित्र पर हरियाणा

की छवि उभरते आई0टी0 हब के रूप में पहले ही बन चुकी है। वर्श 2008'09 में इनका निर्यात लगभग 21,000 करोड़ रुपये का हुआ।

मेरी सरकार ने तकनीकी ि ाक्षा संस्थानों के मौजूदा तंत्र और निजी पहलों के माध्यम से आई0टी0 ि ाक्षा के प्रसार के लिए कई कदम उठाए हैं। अब विद्यालयों व महाविद्यालयों में चरणबद्ध तरीके से आई0टी0 ि ाक्षा सुविधाएं भाुरू की जा रही है। ई– ाासन के सफल क्रियान्वयन के उद्दे य से इसी तरह के कदम सरकारी कर्मचारियों की दक्षता उन्नयन के लिए उठाए गए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी का सबसे बड़ा लाभ भाासन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर इसका प्रयोग करने से हुआ है। हरियाणा दे ा का पहला राज्य है, जिसने वाणी, आंकड़े और दृ य सम्प्रेशण के लिए 102.62 करोड़ रुपये की अनुमोदित परियोजना लागत से अपना स्टेट वाइड एरिया नैटवर्क स्थापित किया है। राज्य के विभिन्न स्थानों पर स्थित लगभग 800 सरकारी कार्यालयों इन सेवाओं का प्रयोग करने की स्थिति में हैं। अगले चरण में लगभग 500 और कार्यालयों में संयोजिता प्रदान करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इसी तरह से राज्य आंकड़ा केन्द्र की स्थापना का कार्य सौंपे जाने के अग्रिम चरण में है और यह अगले वित वर्श के मध्य तक पूरा होने जाने की सम्भावना है। आधारभूत सेवाओं के अधिकतम उपयोग के लिए स्टेट सर्विस डिलीवरी

गेट–वे, ई–फार्म्स और स्टेट पोर्टल के नाम से एक नई परियोजना भी क्रियान्वित की जा रही है।

कई सरकारी विभागों द्वारा आई0टी0 के माध्यम से सेवाएं प्रदान की जाने लगी हैं। तकनीकी ि ाक्षा विभाग में ई– ाासन पहलों के लिए हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण द्वारा आवंटितों के लेखों का कम्प्यूटरीकरण करने के लिए राज्य को राश्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाएं जो वर्तमान में हाथ में ली गई हैं, उनमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए स्मार्ट कार्ड परियोजना, परिवहन विभाग की चालक लाइसेंस और वाहन पंजीकरण परियोजना और वाणिज्यिक कर विभाग के कम्प्यूटरीकरण की व्यापक परियोजना भाामिल है। ने ानल ई–गवर्नेंस प्लान के तहत प्रयोग के तौर पर भारत सरकार की सहायता से ई–डिस्ट्रिक्ट नामक एक मि ान मोड प्रोजैक्ट की परिकल्पना की गई है।

आबकारी एवं कराधान

मेरी सरकार व्यापार एवं उद्योग और उपभोक्ताओं की उभरती जरूरतों के अनुरूप कर ढांचा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने केन्द्रीय पुलिस बलों के कठिन दायित्व के दृश्टिगत केन्द्रीय पुलिस कैंटीनों के माध्यम से बेची जाने वाली वस्तुओं को कर से मुक्त कर दिया है। दिल्ली–गुड़गांव मैट्रो लिंक प्रोजैक्ट को पूरा करने के लिए दिल्ली मैट्रो रेल

कारपोरे ान को बेची जाने वाली वस्तुओं पर कर न लगाने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में चलने वाली अन्य राज्यों की मोटर–कैब्स को भी यात्री कर के भुगतान से मुक्त रखा गया है। गरीब लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सस्ते पुरानी ऊन के कंबल बनाने के लिए प्रयुक्त किये जाने वाले फटे–पुराने कपड़ों पर कर की दर 12.5 प्रति ात से घटाकर 5 प्रति ात की गई है।

खेल

हमारे खिलाड़ी विभिन्न खेलों में नई बुलन्दियों को छू रहे हैं और राज्य को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। राज्य सरकार ने भीम पुरस्कार प्राप्त करने वाले और राश्ट्रीय व अन्तर्राश्ट्रीय खेलों के विजेता खिलाडियों को नकद पुरस्कार दिये हैं। होनहार खिलाडियों को खेल प्रतिभा को निखारने के लिए 45 खेल नर्सरियां चलाई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए 171 स्टेडियम स्वीकृत किये गये हैं। इनमें से 96 स्टेडियम का कार्य पूरा किया जा चुका है और भोश का कार्य प्रगति पर है।

कानून एवं व्यवस्था

यह अति संतोश का विशय है कि राज्य में भाांति का माहौल कायम रखा गया और यहां कानून का राज है। अल्पसंख्यक और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के लाग भली प्रकार सुरक्षित है एवं साम्प्रदायिक सौहार्द कायम रहा। पुलिस बल के आधुनिकीकरण

और इसे हाइटैक बनाने के लिए कई कदम उठाए गये हैं। पुलिस के साथ नागरिकों और समुदाय का सहयोग सराहनीय रहा है।

माननीय सभासदो, मैंने पूर्ववर्ती अनुच्छेदों में अपनी सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का संक्षिप्त उल्लेख किया है। भौतिक आधारभूत ढांचे का विकास सरकार की मुख्य प्राथमिकता के रूप में उभरा है। अनेक परियोजनाएं हरियाणा के परिदृ य को नये सिरे से परिभाशित कर रही हैं। परन्तु यह अपने आप में वास्तविक तरक्की नहीं है लोगों की आ ाएं और सपने मनोभाव और भागीदारी भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। मेरी सरकार का दृश्टिकोण राज्य के प्रत्येक नागरिक के सरोकारों का ख्याल रखना है। सभी नीतियां इस महत्वपूर्ण प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए बड़ी सावधानी से बनाई गई है। सभी नीतिपरक पहलों से एक सामाजिक क्रांति का सुत्रपात हो रहा है और लोगों की मानसिकता में सकारात्मक बदलाव आ रहा है, जो कि एक अति समतावादी और जागरूक समाज की स्थापना में मील पत्थर साबित होगा। मुझे वि वास है कि आपकी परिचर्चा ज्ञानवर्धक और रचनात्मक होगी और आपकी सामूहिक बुद्धिमता से राज्य की विकास–प्रक्रिया को नई दि ा मिलेगी। मैं आपको हार्दिक भ्ाुभकामनाएं देता हूं।

जय हिन्द

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now, the Chief Minister will make obituary references.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा): स्पीकर सर, पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में हमारे बीच में से बहुत सारी विभूतियां, जिनमें राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी और हमारे दे ा की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिक भाामिल हैं, वे हमें छोड़कर चले गये। वे जिस वे जिस रिक्ति को छोड़कर गये हैं उसकी क्षतिपूर्ति असंभव है। उन सबको श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मैं सदन की और से यह भाोक प्रस्ताव सदन के पटल पर रखता हूं–

श्री रामनिवास मिर्धा, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री रामनिवास मिर्धा के 29 जनवरी, 2010 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 24 अगस्त, 1924 को हुआ। यह 1953 से 1967 तक राजस्थान विधान सभा के सदस्य रहे। उन्होंने सभा अध्यक्ष से लेकर कृशि, सिंचाई और परिवहन मंत्री के रूप में विभिन्न पदों को सु ाोभित किया। वह 1967–80 के दौरान राज्य सभा के सदस्य रहे। वह 1977–80 के दौरान राज्य सभा के उपाध्यक्ष रहे। वह 1984 तथा 1991 में लोक सभा के लिए चुने गए। वह 1970–77 और 1983–87 के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री तथा 1987 से 1989 तक केन्द्रीय मंत्री रहे। उन्हें कपड़ा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गृह, विदे ाी मामले, रक्षा उत्पादन, संचार,

सिंचाई, आपूर्ति एवं पुनर्वास तथा कार्मिक एवं प्र ाासनिक सुधार जैसे महत्वपूर्ण विभाग संभालने का गौरव प्राप्त हुआ।

वह कई भौक्षणिक एवं सांस्कृतिक संगठनों से जुड़े रहे। वह ललित कला अकादमी, संगीत नाटक अकादमी तथा महाराजा सूरजमल भौक्षणिक समिति के अध्यक्ष रहे।

उनके निधन से दे ा एक दूरद र्ी राजनेता एवं कु ाल प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री ज्योति बसु, प ि चम बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री

यह सदन प ि चम बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री ज्योति बसु के 17 जनवरी, 2010 को हुए दु:खद निधन र गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 8 जुलाई, 1914 को हुआ। वह बंगाल विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह 1972 से 1977 तक की अल्पावधि को छोड़कर 1952 से 2001 तक प ि चम बंगाल विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1957 से 1967 तक प ि चम बंगाल विधान सभा में विपक्ष के नेता भी रहे। वह 1967 तथा 1969 में प ि चम बंगाल के उप–मुख्यमंत्री बने। वह 1977–2000 के दौरान प ि चम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे।

श्री ज्योति बसु ने भारतीय राजनीति के इतिहास में इतने लम्बे समय तक किसी राज्य का मुख्यमंत्री बने रहने का कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने सदैव गरीबों एवं पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया। पि चम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने भूमि सुधार लागू किये और राज्य में पंचायती राज प्रणाली को मजबूती प्रदान की। वह भारत में साम्यवादी आंदोलन अग्रणियों में से एक थे।

उनके निधन से दे ा एक सुप्रसिद्ध मार्क्सवादी, अनुभवी विधायक एवं उच्चकोटि के प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सरदार तारा सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष सरदार तारा सिंह के 12 जनवरी, 2010 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 29 दिसम्बर, 1929 को हुआ। वह 1977 तथा 1982 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। वह 1977–78 तथा 1979–82 के दौरान मंत्री रहे। वह 1982 में हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष चुने गये। वह 1991 में लोक सभा के लिए चुने गये। वह एक निश्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे, जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद एवं योग्य प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री नर सिंह ढांडा, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष सरदार तारा सिंह के 13 फरवरी, 2010 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 जून, 1945 को हुआ। वह 1982 तथा 1987 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। वह 1987–91 के दौरान मंत्री रहे। उन्होंने गरीबों के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–सतंप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मास्टर राम सिंह हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष सरदार तारा सिंह के 16 जनवरी, 2010 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 23 नवम्बर, 1935 को हुआ। वह 1982 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। उनकी खेलों में गहरी रूचि थी।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–सतंप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन उन श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जिन्होंने दे ा की आजादी के संघर्श में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इन महान् स्वतन्तत्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं:

1. श्री हरफूल राम, गांव पहाड़ी, जिला भिवानी।

2. श्री क मीरा सिंह, गांव यारी, जिला कुरूक्षेत्र।

3. श्री मुरलीधर, गांव लुखी, जिला रेवाड़ी।

4. श्री बनवारी लाल, गांव सांधी, जिला रोहतक।

5. लाला अमर नाथ, गांव भाहजादपुर माजरा, जिला अम्बाला।

6. श्री सुखदेव नागर, भााहबाद, जिला कुरूक्षेत्र।

7. श्री प्यारे लाल, गांव रोहणा, जिला सोनीपत।

8. श्री माल्हा सिंह, गांव भुरथला, जिला रेवाड़ी।

9. श्री रतन सिंह, गांव माईकलां, जिला भिवानी।

10. श्री भूरे सिंह, गांव ढाणी फोगाट, जिला भिवानी।

11. श्री प्रेम राज, गाव झुल्ली, जिला भिवानी।

12. श्री राधा सिंह, गांव जलूबी, जिला अम्बाला।

13. श्री चरण दास, पानीपत।

14. श्री ओम प्रका ा, गांव सुलौधा, जिला झज्जर।

15. श्री छत्तर सिंह,, गांव दूबलधन, जिला झज्जर।

16. श्री धर्म सिंह, गांव बरोदा, जिला सोनीपत।

17. श्री बहादुर सिंह, गांव सूलीखेड़ा, जिला फतेहाबाद।

18. श्री राम कि ान, फरीदाबाद।

19. श्री छोटे लाल, गांव बडेसरा, जिला भिवानी।

20. श्री खु ीराम, गांव फदनी, जिला रेवाड़ी।

21. श्री बहादुर सिंह, गांव पालड़ी, जिला भिवानी।

22. श्री बनवारी लाल, गांव बरोणा, जिला सोनीपत।

यह सदन इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को भात– ात नमन करता है और इनके भाोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, यह सदन श्री बबरूभान यादव, महावीर चक्र विजेता, गांव भाड़ावास, जिला रिवाड़ी के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है तथा भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के भाहीद

यह सदन उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होंने मातृभूमि की एकता एवं अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं:

1. डीआईजी ओम प्रका ा, गांव राठीवास, जिला मेवात।

2. कैप्टन दीपक भार्मा, रोहतक।

3. सूबेदार कैला ा चंद, गांव भोजावास, जिला महेन्द्रगढ़।

4. सूबेदार नारायण दत्त, जीन्द।

5. सूबेदार सुरेन्द्र सिंह, गांव ऐंचराकलां, जिला जींद।

6. हवलदार धर्मबीर, गांव दरियावाला, जिला जीन्द।

7. हवलदार जोगिन्द्र सिंह, गांव भूशण खुर्द, जिला महेन्द्रगढ़।

8. नायक परमजीत, गांव धवाना, जिला रेवाड़ी।

9. नायक ललित कुमार, गांव कुराहड़ा, जिला रेवाड़ी।

10. नायक योगे ा कुमार, गांव कनीना, जिला महेन्द्रगढ़।

11. लांस नायक प्रधान सिंह, गांव गनौली, जिला अम्बाला।

12. सिपाही राजे ा कुमार, गांव झुल्ली, जिला भिवानी।

13. सिपाही अ ाोक कुमार, गांव खरकड़ावास, जिला महेन्द्रगढ़।

14. सिपाही सुनील कुमार, गांव कोसली, जिला रेवाड़ी।

15. सिपाही बनारसी दास, गांव पिलखनी, जिला अम्बाला।

16. सिपाही सुखबीर, गांव लोकरा, जिला गुड़गांव।

17. सिपाही अनिल कुमार, गांव खेतियावास, जिला गुड़गांव।

यह सदन इन महान् वीरों की भाहादत पर उन्हें भात– ात नमन करता है और इनके भाोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन

सांसद श्री भाादी लाल बतरा की भाभी **श्रीमती सरला बतरा,**

कृशि मंत्री श्री परमवीर सिंह की माता तथा पूर्व मंत्री श्री हरपाल सिहं की पत्नी **श्रीमती सन्तोख कौर,**

राज्य मंत्री श्री गोपाल कांडा की मामी **श्रीमती मुन्नी देवी,**

विधायक श्री आनन्द सिंह दांगी की भाभी **श्रीमती रूकमणी देवी,**

विधायक श्रीकृश्ण हुड्डा के भाई **श्री राम कि ान,**

विधायक श्री राजेन्द्र सिंह जून के चाचा **श्री हरिचंद जून,**

विधान सभा के पूर्व उपाध्यक्ष श्री वेद पाल की पत्नी **श्रीमती अजमेर कौर,**

पूर्व मंत्री प्रोफैसर गणे ी लाल की माता **श्रीमती भांति देवी,**

पूर्व मंत्री श्री अमर सिंह धानक की पत्नी **श्रीमती लाडो देवी,**

पूर्व मंत्री श्री सुभाश बतरा के पिता **श्री प्रका ा चन्द बतरा,**

पूर्व मंत्री श्री निर्मल सिंह की माता **श्रीमती चिन्तो देवी,**

पूर्व सांसद श्री आत्मा सिंह गिल के पुत्र **श्री दलजीत सिंह,**

पूर्व विधायक श्री करण सिंह दलाल के भतीजे **श्री दीपे ा कुमार,**

पूर्व विधायक श्री जय सिंह राणा के पुत्र **श्री देवेन्द्र राणा,**

पूर्व विधायक श्री नि ाान सिंह के पिता **श्री चरण सिंह** के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के भाोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

कृपालु जी महाराज आश्रम दुर्घटना

यह सदन 4 मार्च, 2010 को उतर प्रदे ा के जिला प्रतापगढ़ में कृपालु जी महाराज आश्रम में हुई भगदड़ में मरने वाले श्रद्धालुओं के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री गौरी सहाय, स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन ढाणी खेम्मू वाली, जिला गुड़गांव के स्वतन्त्रता सेनानी, श्री गौरी सहाय के 4 मार्च, 2010 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक–संतप्त के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

15.00 बजे

श्री ओम प्रका ा चौटाला (उचाना कलां): अध्यक्ष महोदय, पिछले अधिवे ान और इस अधिवे ान के बीच में कुछ महान् विभूतियां इस संसार से चली गई है। इनमें केन्द्रीय मंत्री, प्रदे ा के मुख्यमंत्री, प्रदे ा के विधायक, मंत्री, स्पीकर, स्वतन्त्रता सेनानी, दे ा भक्त और इस सदन के सम्मानित सदस्यों के रि तेदार हमारे बीच में से विदा हो गए हैं। सर्वप्रथम श्री रामनिवास मिर्धा, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री के 29 जनवरी, 2010 को हुए दुःखद निधन पर मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करता हूं। वे एक अच्छे राजनेता, अच्छे

संगठनकर्ता और अच्छे वक्ता थे। हमारी उनके साथ नजदीकी रि तेदारी थी। मैंने उनको बहुत नजदीक से देखा है। जब कभी भी मुझे समय मिलता था तो मैं उनसे राय लेता था। वे अच्छा मि वरा देने वाले व्यक्ति थे। अगर इस प्रकार के व्यक्तित्व वाले व्यक्ति राजनीति से चले जाएंगे तो नि चत रूप से उनकी कमी को पूरा करने में कठिनाई आएगी।

उनके निधन से दे ा एक दूरद र्ी राजनेता एवं कु ाल प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी की तरफ से पार्टी तथा अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री ज्योति बसु जी न सिर्फ इस बात के लिए विख्यात रहे कि वे बहुत लम्बे समय तक प चम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे बल्कि वे एक कु ाल प्र ाासक भी रहे थे। उन्होंने अपनी पार्टी के प्रति एक समर्पित कार्यकर्ता के तौर पर ऐसी कार्य प्रणाली बनाई कि उनके आज इस दुनिया से जाने के बाद भी प चम बंगाल में लगातार उनकी पार्टी सत्ता में बनी हुई है। उनके निधन से दे ा एक सुप्रसिद्ध मार्क्सवादी, अनुभवी विधायक एवं उच्चकोटि के प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

सरदार तारा सिंह जी इस सदन के मैम्बर भी रहे, स्पीकर भी रहे, मंत्री भी रहे और उन्होंने पार्लियामैंट के मैम्बर के रूप में दे ा और प्रदे ा की जनता के हित में अच्छे निर्णय लिए थे। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद एवं योग्य प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी पार्टी तथा अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री नर सिंह ढांडा हरियाणा के मंत्री थे, आज वे भी हमारे बीच में नहीं हैं। उन्होंने अने राजनीतिक जीवन में न सिर्फ अपने क्षेत्र के लोगों के लिए बल्कि प्रदे ा के लोगों के हितों के लिए अच्छे कार्य किए हैं और उनकी सेवा की है। उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं योग्य प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी पार्टी तथा अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मास्टर राम सिंह हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे हैं। उन्होंने अपनी सदस्यता के दौरान प्रदे ा के और अपने क्षेत्र के लोगों की सेवाएं की। उनके निधन से प्रदे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी पार्टी तथा अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानी भी हमें एक–एक करके छोड़ कर जा रहे हैं। उनके जाने से हरियाणा प्रदे ा का ही नहीं बल्कि समूचे राश्ट्र का बड़ा भारी नुक्सान हो रहा है। इन महान स्वतंत्रता सेनानियों में सदन के नेता द्वारा पुस्तिका में पढ़े गए नं0 1 पर श्री हरफूल राम, गांव पहाड़ी, जिला भिवानी से लेकर नं0 22 श्री बनवारी लाल, गांव बरोणा, जिला सोनीपत तक सभी को मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी तरफ से भात– ात नमन करता हूं और इनके भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

इसके साथ अभी 4 मार्च को ही हमारे एक स्वतंत्रता सेनानी श्री गौरी सहाय का भी दुःखद निधन हुआ है। मैं अपनी पार्टी तथा अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

मैं हरियाणा प्रदे ा के उन भाहीदों को भी नमन करताहूं जिन्होंने दे ा की सेवा के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। भाोक प्रस्ताव की पुस्तिका में दर्ज नं0 1 पर डी0आई0जी0 ओम प्रका ा, गांव राठीवास, जिला मेवात से लेकर नं0 17 तक सिपाही अनिल कुमार, गांव खेतियावास, जिला गुड़गांव तक सभी हरियाणा के भाहीदों की भाहादत पर मैं अपनी पार्टी तथा अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

मैं इस सदन के सदस्यों के रि तेदारों के दुखद निधन पर भी अपना भाोक प्रकट करता हूं। सांसद श्री भाादी लाल बतरा की भाभाी श्रीमती सरला बतरा, कृशि मंत्री श्री परमवीर सिंह की माता तथा पूर्व मंत्री श्री हरपाल सिंह की पत्नी श्रीमती सन्तोख कौर, राज्य मंत्री श्री गोपाल कांडा की मामी श्रीमती मुन्नी देवी, विधायक श्री आनन्द सिंह दांगी की भाभी श्रीमती रूकमणी देवी, विधायक श्रीकृश्ण हुड्डा के भाई श्री रामकि ान, विधायक श्री राजेन्द्र सिंह जून के चाचा श्री हरिचंद जून, विधान सभा के पूर्व उपाध्यक्ष श्री वेदपाल की पत्नी श्रीमती अजमेर कौर, पूर्व मंत्री प्रोफैसर गणे ाी लाल की माता श्रीमती भाांति देवी, पूर्व मंत्री अमर सिंह धानक की पत्नी श्रीमती लाडो देवी, पूर्व मंत्री श्री सुभाश बतरा के पिता श्री प्रका ा चन्द बतरा, पूर्व मंत्री श्री निर्मल सिंह की माता श्रीमती चिन्ता देवी, पूर्व सांसद श्री आत्मा सिंह गिल के पुत्र श्री दलजीत सिहं, पूर्व विधायक श्री करण सिहं दलाल के भतीजे श्री दीपे ा कुमार, पूर्व विधायक श्री जय सिंह राणा के पुत्र श्री देवेन्द्र राणा, और पूर्व विधायक श्री नि ाान सिंह के पिता श्री चरण सिंह के दुखद निधन पर मैं अपनी पार्टी तथा अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै आपसे अनुरोध करना चाहूंगा कि पूर्व विधायक श्री रामफल कुंडू के पिता जी का भी निधन हो गया है इसलिए उनका नाम भी इन भाोक प्रस्तावों की लिस्ट में भाामिल किया जाए। मैं अपनी पार्टी तथा

अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, अभी 4 मार्च, 2010 को उतर प्रदे ा के जिला प्रतापगढ़ में कृपालु जी महाराज आश्रम में हुई भगदड़ में मरने वाले श्रद्धालुओं के दुःखद एवं असामयिक निधन पर मैं अपनी पार्टी तथा अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी): स्पीकर साहब, पिछले सदन से लेकर अब तक जो महान विभूतियां जिन्होंने दे ा के लिए, समाज के लिए अपना योगदान दिया है और जो हमें छोड़कर चली गयी हैं, उनके लिए सदन के नेता ने कुछ भाोक प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं। इनमें श्री राम बिलास मिर्धा, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री, श्री ज्योति बसु, पि चम बंगाल के भूतपूर्व मुख्यमंत्री, सरदार तारा सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष, श्री नर सिंह ढांडा, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री, और मास्टर राम सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य हैं। इसके साथ ही मैं अपनी पार्टी तथा अपनी तरफ से स्वतंत्रता सेनानियों जिन्होंने हमें आजादी दिलायी और अपना बहुमूल्य योगदान दिया, के निधन पर भी अपना भाोक प्रकट करता हूं। इन महान स्वतंत्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं– श्री हरफूल राम, गांव पहाड़ी, जिला भिवानी, श्री क मीरा सिंह, गांव यारी, जिला कुरूक्षेत्र, श्री मुरलीधर, गांव लुखी, जिला रेवाड़ी, श्री बनवारी लाल, गांव सांधी, जिला रोहतक,

लाला अमर नाथ, गांव भाहजादपुर माजरा, जिला अम्बाला, श्री सुखदेव नागर, भााहबाद, जिला कुरूक्षेत्र, श्री प्यारे लाल, गांव रोहणा, जिला सोनीपत, श्री माल्हा सिंह, गांव भुरथला, जिला रेवाड़ी, श्री रतन सिंह, गांव माईकलां, जिला भिवानी, श्री भूरे सिंह, गांव ढाणी फोगाट, जिला भिवानी, श्री प्रेम राज, गाव झुल्ली, जिला भिवानी, श्री राधा सिंह, गांव जलूबी, जिला अम्बाला, श्री चरण दास, पानीपत, श्री ओम प्रका ा, गांव सुलौधा, जिला झज्जर, श्री छत्तर सिंह,, गांव दूबलधन, जिला झज्जर, श्री धर्म सिंह, गांव बरोदा, जिला सोनीपत, श्री बहादुर सिंह, गांव सूलीखेड़ा, जिला फतेहाबाद, श्री राम कि ान, फरीदाबाद, श्री छोटे लाल, गांव बडेसरा, जिला भिवानी, श्री खु ीराम, गांव फदनी, जिला रेवाड़ी, श्री बहादुर सिंह, गांव पालड़ी, जिला भिवानी, श्री बनवारी लाल, गांव बरोणा, जिला सोनीपत। इन सभी ने दे ा की आजादी के लिए जो योगदान दिया है उसी के कारण हम तभी सोते हैं जब वे जागते हैं हम उन्हीं के कारण भाान से जीते हैं। हमारे दे ा की एकता व अखंडता के लिए जिन्होंने अपना बलिदान दिया, यह सदन उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है उन्होंने मातृ भूमि की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया इन महान वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं– डीआईजी ओम प्रका ा, गांव राठीवास, जिला मेवात, कैप्टन दीपक भार्मा, रोहतक, सूबेदार कैला ा चंद, गांव भोजावास, जिला महेन्द्रगढ़, सूबेदार नारायण दत्त, जीन्द, सूबेदार सुरेन्द्र सिंह, गांव ऐंचराकलां, जिला

जींद, हवलदार धर्मबीर, गांव दरियावाला, जिला जीन्द, हवलदार जोगिन्द्र सिंह, गांव भूशण खुर्द, जिला महेन्द्रगढ़, नायक परमजीत, गांव धवाना, जिला रेवाड़ी, नायक ललित कुमार, गांव कुराहड़ा, जिला रेवाड़ी, नायक योगे ा कुमार, गांव कनीना, जिला महेन्द्रगढ़, लांस नायक प्रधान सिंह, गांव गनौली, जिला अम्बाला, सिपाही राजे ा कुमार, गांव झुल्ली, जिला भिवानी, सिपाही अ ाोक कुमार, गांव खरकड़ावास, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही सुनील कुमार, गांव कोसली, जिला रेवाड़ी ,सिपाही बनारसी दास, गांव पिलखनी, जिला अम्बाला, सिपाही सुखबीर, गांव लोकरा, जिला गुड़गांव, सिपाही अनिल कुमार, गांव खेतियावास, जिला गुड़गांव। मैं अपनी पार्टी तथा अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

इसके साथ ही दिनांक 4 मार्च, 2010 को उतर प्रदे ा के जिला प्रतापगढ़ में कृपालु जी महाराज आश्रम में हुई भगदड़ में मरने वाले श्रद्धालुओं के दुःखद एवं असामयिक निधन पर मैं अपनी पार्टी तथा अपनी तरफ से दिवंगत के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I associate myself with the Obituary References made by the Hon'ble Chief Minister and the feelings expressed by other Members of the House. During the last Session and teh present Session many renowned personalities have passed away. First of all, I feel aggrieved on the sad demise of Shri Ram Niwas Mirdha, Former Union Minister. He was a Member of the Rajasthan

Legislative Assembly for about 14 years and occupied the august Office of Speaker, Rajasthan Legislative Assembly and remained Minister in Rajasthan Government during this period. he remained Member of Rajya Sabha for 13 years and also occupied the august Office of Deputy Chairman of Rajya Sabha for about 3 years. He was elected to Lok Sabha twice and served as Union Minister of State and Union Minister holding very important portfolios in Government of India. He was an active social worker also. He was a veteran Statesman and an able administrator. I feel sorrow deeply on the sad demise of Shri Jyoti Basu, Former Chief Minister of West Bengal who remained a Member of West Bengal Legislative Assembly for about 45 years. He served the West Bengal State as Chief Minister for 23 years constinuously. He occoupied an esteemed position in National as well as State Politics. He was respected not only by his party men but by all others also. He was respected not only by his party men but by all others also. He was a great personlity and will be remembered for a long period. I greatly feel sorrow on the sad demise of Sardar Tara Singh, former Speaker, Haryana Legislative Assembly. He was elected to this House twice. Besides serving the State as Minister, he also occupied the august Office of Speaker of this House. He was also elected to Lok Sabha in 1991. He was a great social worker who worked untiringly for upliftment of the weaker sections of the society. He was a well experienced parliamentarian Former Minister of our State. He was elected twice to this House. He also served the State as Minister. He worked for the upliftment of the weaker sections of the society. I greatly feel sorrow on the sad demise of Master Ram Singh, Former Member of this House. He was an active social worker. Besides this, I also feel sorrow on the demise of

Freedom Fighters and martyrs of Haryana, the names of which have been mentioned by the Hon'ble Chief Minister. We cannot forget these freedom fighters and martyrs. With the sacrifice of these persons, we got freedom and our boundaries are well safe-gaurded. I feel sorrow on the sad demise of the persons, the names of which have been mentioned by the Hon'ble Chief Minister. I pray to Almighty to give peace to these departed souls. I will convey the fellings of this House to the bereaved families. Now, I request all of you to kindly stand up to pay homage to the departed souls for two minutes.

(इस समय सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

उपाध्यक्ष का चुनाव

Mr. Speaker: Under Rule 10(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I as a Speaker of the Haryana Legislative Assembly hereby fixed the 5th March, 2010 as the date for the election of the Deputy Speaker.

Now, I call upon the Hon'ble Chief Minister to propose the name for the election of the Deputy Speaker.

Chief Minister (Shri Bhupinder Singh Hooda): Sir, I beg to move-

Shri Akram Khan, M.L.A. be elected as Deputy Speaker of the Haryana Legislative Assembly.

P.W.D. (B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I second the name of Shri Akram Khan, M.L.A. be elected as Deputy Speaker of the Haryana Legislative Assembly.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Shri Akram Khan, a member of the Haryana Legislative Assembly, who is present in the House, be elected as Deputy Speaker of the Assembly.

Is there any other proposal please?

Voices: No.

Mr. Speaker: Since there is only one proposal before the House that Shri Akram Khan be elected as Deputy Speaker, I declare him duly elected as Deputy Speaker of the Assembly unanimously. (Thumping) I request him to take the seat of the Deputy Speaker.

(At this stage, Shri Akram Kham escorted by Chief Minister, Shri Randeep Singh Surjewal, P.W.D. (B&R) Minister and Shri Om Parkash Chautala, a Member of the Indian National Lok Dal, occupied the seat of the Deputy Speaker) (Thumping)

घोशणाएं–

अध्यक्ष द्वारा–

(i) चेयरपर्सन्ज के नामों की सूची

Mr. Speaker: Hon'ble Members, under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the panel of Chairperson:-

1. Shri Sampat Singh, M.L.A.

2. Shri Anand Singh Dangi, M.L.A.

3. Shri Ram Pal Majra, M.L.A.

4. Shri Anil Vij, M.L.A.

(ii) सदस्य द्वारा त्याग–पत्र

Mr. Speaker: Under Rule 58(2) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I have to inform the House that Shri Om Parkash Chautala who was declared elected as Member of the 12th Haryana Vidhan Sabha from two Assembly Constituencies namely, 37-Uchana Kalan and 46-Ellanabad, had resigned his seat in the Haryana Vidhan Sabha from 46-Ellanabad Assembly Constituency w.e.f. 4th November, 2009 which was accepted by me from the said date.

(iii) अनुपस्थिति के संबंध में सूचना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, Now I have to inform the House that I have received a request from Smt. Geeta Bhukkal, Education Minister dated 4th March, 2010 expressing her inability to attend the Sitting of Haryana Vidhan Sabha on 5th March, 2010 as she has been deputed to

receive and see off H.E. the President of India on her visit to Gurgaon on 5th March, 2010.

कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट पे ा करना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now I report the Time Table for the various business fixed by the Business Advisory Committee.

The Committee met at 11.30 A.M. on Friday the 5th March, 2010 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly whilst in Session, shall meet on Monday at 2.00 P.M. and adjourn at 6.30 P.M. and on Tuesday, Wednesday, Thursday and Friday will meet at 10.00 A.M. and adjourn at 2.00 P.M. without question being put.

On Friday, the 5th March, 2010 the Assembly shall meet immediately half an hour after the conclusion of the Governor's Address and adjourn after the conclusion of business entered in the List of Business for the day.

The Committee further recommends that on Tuesday, the 16th March, 2010, the Assembly shall meet at 10.00 A.M. and adjourn after the conclusion of the Business entered in the List of Business.

The Committee, after some discussion, further recommends that the business on 5th, 8th to 12th, 15th and 16th March, 2010 be transacted by the Sabha as under :-

The House will meet	1. Laying a copy of the

immediately Half an Hour after the conclusion of the Governor's Address on the 5th March, 2010	Governor's Address on Table of the House 2. Obituary References 3. Presentation and adoption of First Report of Business Advisory Committee. 4. Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
Saturday, the 6th March, 2010	Holiday.
Sunday, the 7th March, 2010	Holiday.
Monday, the 8th March, 2010 (2.00 A.M.)	1. Question Hour. 2. Discussion on Governor's Address
Tuesday, the 9th March, 2010 (10.00 A.M.)	1. Question Hour. 2. Resumption of discussion on Governor's Address and Voting on Motion of Thanks. 3. Presentation, Discussion and Voting on Supplementary Estimates (2nd Instalment) for the year 2009-2010 and Report of the Estimates Committee

	thereon.
Wednesday, the 10th March, 2010 (10.00 A.M.)	1. Question Hour. 2. Motion Under Rule 30. 3. Presentation of Budget Estimates for year 2010-2011.
Thursday, the 11th March, 2010 (10.00 A.M.)	1. Question Hour. 2. General Discussion on Budget Estimates for the year 2010-2011.
Friday, the 12th March, 2010 (10.00 A.M.)	1. Question Hour. 2. Motion Under Rule 121. 3. Resumption of discussion on Budget Estimates for the year 2010-2011.
Saturday, the 13th March, 2010	Holiday.
Sunday, the 14th March, 2010	Holiday.
Monday, the 15th March, 2010 (2.00 P.M.)	1. Question Hour. 2 Resumption of discussion on Budget Estimates for the year 2010-2011 and Finance Minister's reply and Voting on

	Demands for Grants on Budget Estimates for the year 2010-2011.
Tuesday, the 16th March, 2010 (10.00 A.M.)	1. Question Hour. 2. Motion Under Rule 15 regarding Non-stop sitting. 3. Motion under Rule 16 regarding adjournment of the Sabha sine-die. 4. Papers to be laid, if any. 5. Presentation of Reports of the Assembly Committee. 6. The Haryana Appropriation Bill in respect of Supplementary Estimates (2nd Instalment) for the year 2009-2010. 7. The Haryana Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 2010-2011. 8. Legislative Business. 9. Any other Business.

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the

recommendations contained in the first Report of the Business Advisory Committee.

P.W.D. (B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I begto move-

That this House agrees with the recommendations contained in the first Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agrees with the recommendations contained in the first Report of the Business Advisory Committee.

श्री रामपाल माजरा (कलायत): अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि कम से कम एक महीने सै ान चलना चाहिए। सरकार को सै ान खत्म करने की इतनी जल्दी क्या है। इसलिए आप इस बारे में देखें। (ाोर एवं व्यवधान)। प्रदे ा की जनता भी सोच रही थी कि एक महीने तक सै ान चलेगा और जन प्रतिनिधि उनकी समस्याएं यहां उठायेंगे। आज के दिन प्रदे ा में न बिजली है, न पानी है और न सड़के हैं। (ाोर एवं व्यवधान) प्रदे ा के अंदर आज बहुत समस्याएं हैं।

Mr. Speaker: Please take your seat. (Interruptions)

श्री रामपाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, नैतिकता तो यह है कि सै ान का टाईम बढ़ाया जाये ताकि हम लोग आपके माध्यम से जन कल्याण के मुद्दे सदन में उठा सकें। (ाोर एवं व्यवधान)

सभी मैंबर्ज यहां पर लोगों की भलाई की बातें कहना चाहते हैं इसलिए उनको अपनी बात कहने का प्रोपर टाईम मिलना चाहिए। हमसे लोगों को बहुत सी अपेक्षाएं हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैं आपको बता दूंगा कि कितने दिन तक बजट सै ान आपकी सरकार के समय में चलता था और कितने दिन अब चलेगा। बजट पर चर्चा के लिए तीन दिन का समय रखा गया है। (ाोर एवं व्यवधान) I request you please let me move further.

श्री अ ाोक कुमार अरोड़ा (कुरूक्षेत्र): अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि दोनों ही पार्टियों की तरफ से बहुत से नये मैंबर चनुकर आये हैं और प्रत्येक मैंबर को अपने हल्के की समस्याओं को यहां सदन में रखना है। आप अपना नहीं तो पंजाब का ध्यान कर लें। पंजाब का सै ान 4 मार्च से भाुरू होकर 26 मार्च को खत्म होगा और हमारा सै ान 5 मार्च से भाुरू होकर 16 मार्च को खत्म होगा इसलिए हमारे सै ान का भी टाईम बढ़ाया जाये।

श्री अध्यक्षः अरोड़ा साहब, पंजाब में कल गवर्नर एड्रैस हुआ था और आज भाोक प्रस्ताव हुआ है। पंजाब में तो एक या दसे घंटे ही एक सीटिंग होती है। आप पंजाब से मुकाबला न करें। मैं सभी मैंबर्ज को एक बात जरूर कहता हूं कि सभी को अपनी बात कहने के लिए मैकसीमम टाईम मिलेगा। अगर आपको फिर भी कोई एतराज हो तो आप कह देना। (विध्न)

Mr. Speaker: Question is-

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज–पत्र

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will lay/re-lay papers on the Table of the House.

P.W.D. (B&R) Minister (Shri Randeep Singh Surjewala): Sir, I beg to re-lay on the table of the House-

The Personnel Department Notification No. G.S.R. 7/Const./Art.320/2009, dated the 18th March, 2009 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Regulations, 1973, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

Sir, I beg to lay on the Table of the House-

The Personnel Department Notification No. G.S.R. 20/Const./Art.320/2009, dated the 25th March, 2009 regarding amendment in Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Regulations, 1973, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The Revenue and Disaster Management Department Notification No. S.O. 75/H.A. 31/2008/S. 18/2009 dated the 22nd August, 2009 regarding the Haryana Underground Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Rules, 2009 as

requried under section 18(2) of the Haryana Underground Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 2008.

The Notification No. 282/HR/2008, dated the 12th September, 2008, containing the Delimitation Commission Order No. 39, regarding the Delimitation of Parliamentary and Assembly Constituencies in the State of Haryana, as required under section 10(3) of the Delimitation Act, 2002.

The Annual Report of Haryana State Pollution Control Board for the year 2005-2006, as required under section 39(2) of Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974.

The 9th Annual Report of Dakshin Haryana BijliVitran Nigam Limited for the year 2007-2008, as required under section 619-A(3)(b) of the Companies Act, 1956.

The 35th Annual Report of Haryana Seeds Development Corporation Limited for the year 2008-09, as required under section 619-A(3)(b) of the Companies Act, 1956.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 2009 (Commercial) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

स्थगन प्रस्ताव का ध्यानाकर्शण प्रस्ताव में परिवर्तन

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमने एक काम रोको प्रस्ताव जरूरी चीजों की बढ़ती हुई महंगाई के बारे में

दिया हुआ है। वह बड़ा जरूरी है क्योंकि आज सारा दे ा महंगाई की मार से परे ाान है इसलिए आपसे अनुरोध है कि इस पर खुलकर चर्चा की जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा समुचित सदन से भी आग्रह करूंगा कि यूनानीमस रैजोल्यु ान पास करके केन्द्र की सरकार को कहा जाये कि डीजल, पेट्रोल और खाद के बढ़े हुए दाम वापस लिये जाये अन्यथा महंगाई और बढ़ेगी। यह पूर्ण रूप से प्रमाणार्थ है कि आज महंगाई बहुत बए गई है। जरूरी यह है कि इससे अहम कोई मसला नहीं है इसलिए पहले इस पर चर्चा की जाये और फिर कोई आगे कार्यवाही की जाये।

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, मैंने आपका यह प्रस्ताव पढ़ा है। Please take your seat now. आपका यह प्रस्ताव आज 12.30 बजे मुझे मिला है और इसको मैंने काल अटैं ान मो ान के रूप में एडमिट किया है। It will be taken up on 9th March, 2010. (Interruptions)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह अडजर्नमैंट मो ान है, काल अटैं ान मो ान नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: I have admitted it. I have taken the decision. (Interruptions) चौटाला साहब आपको और क्या चाहिए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, इससे ज्यादा और कोई जरूरी मसला नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब, पूरी पिक्चर आपके सामने 9 तारीख को आयेगी। प्लीज, अब आप बैठें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, यह ज्यादा जरूरी मसला है इसलिए इस पर फौरी तौर पर चर्चा की जाये। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the House stands adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 8th March, 2010.

***15.30 Hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 2.00 A.M. on Monday, the 8th March, 2010.)